Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. सिंथेसिस रिपोर्ट (SYR) IPCC द्वारा प्रकाशित की जाती है
2. यह अपने छठे मूल्यांकन चक्र के दौरान जारी की गई छह रिपोर्टों के निष्कर्षों का सार प्रस्तुत करता है।
3. COP27 की मेजबानी ग्लासगो ने की थी।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a
व्याख्या:

- जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (आईपीसीसी) ने अपनी नवीनतम संश्लेषण रिपोर्ट (एसवाईआर) जारी कर दी है। यह रिपोर्ट इससे पहले आईपीसीसी द्वारा जलवायु में होते बदलावों पर जारी की गई छह रिपोर्टों के निष्कर्षों का सार प्रस्तुत करती है, जो छठे मूल्यांकन का हिस्सा है।
- इस कड़ी में पहली रिपोर्ट 2018 में तापमान पर होती डेढ़ डिग्री सेल्सियस की वृद्धि पर, इसके बाद 2019 में भूमि और महासागरों पर प्रकाशित विशेष रिपोर्ट और 2021 और 2022 के बीच जारी तीन मूल्यांकन रिपोर्टों के बाद इस कड़ी का अंतिम हिस्सा है।
- SYR को COVID-19 महामारी, यूक्रेन-रूस संघर्ष के बाद पनपे वैश्विक ऊर्जा संकट और उससे उपजे वैश्विक उथल पुथल को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत किया गया है।
- यह पिछले वर्ष मिस्र के शर्म-अल-शेख में हुए जलवायु सम्मेलन कॉप-27 में विचार किए गए मुद्दों को भी उजागर करती है। जहां जलवायु पीड़ितों के लिए हानि व क्षति को ध्यान में रखते हुए कोष स्थापित करने की बात कही गई थी। साथ ही जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से हटाने और वैश्विक वित्तीय प्रणाली में सुधार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई थी।

Q: भारत को यूएनएससी की महत्वपूर्ण समितियों का अध्यक्ष चुना गया। निम्नलिखित कथन पर विचार करें:

1. पाकिस्तान आर्थिक प्रतिबंध समिति
2. तालिबान प्रतिबंध समिति
3. लीबिया प्रतिबंध समिति

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: b
व्याख्या:

- जब भारत ने 1 जनवरी, 2021 को परिषद में प्रवेश किया, तो इसने अन्य बातों के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद, संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना, सुधारित बहुपक्षवाद और वैश्विक दक्षिण पर ध्यान केंद्रित किया।
- भारत तीन महत्वपूर्ण यूएनएससी समितियों का अध्यक्ष चुना गया:
  a) तालिबान प्रतिबंध समिति,
  b) लीबिया प्रतिबंध समिति और

c) आतंकवाद विरोधी समिति।

Q: भूजल के अत्यधिक दोहन के कारण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भूजल का अत्यधिक दोहन
2. गन्ने की फसलों की अधिक खेती

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) इनमे से कोई भी नहीं

उत्तर: c
व्याख्या:

- भूगर्भ जल के इस तरह के अत्यधिक दोहन का मुख्य कारण धान और गन्ने की फसलों में पानी की अधिक मात्रा में खेती करना है जो एक ओर पानी, बिजली, उर्वरकों के अत्यधिक रियायती मूल्य निर्धारण के माध्यम से और पंजाब-हरियाणा बेल्ट में चावल की खरीद के माध्यम से और सरकार द्वारा निर्धारित कीमतों पर चीनी कारखानों द्वारा गन्ने की खरीद के माध्यम से उनके उत्पादन के लिए सुनिश्चित बाजारों के माध्यम से भारी प्रोत्साहन दिया जाता है।

Q: अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. IMF ब्रेटन वुड्स सम्मेलन का परिणाम था।
2. IMF के निदेशक पांच साल के कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं।
3. एसडीआर न तो मुद्रा है और न ही अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष पर दावा है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: d
व्याख्या:

- IMF की स्थापना महामंदी के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग के पतन के जवाब में की गई थी, जिसका लक्ष्य दुनिया भर में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और गरीबी को दूर करना था।
- 1944 में, ब्रेटन वुड्स सम्मेलन ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की स्थापना की।
- IMF का नेतृत्व एक प्रबंध निदेशक करता है, जिसे कार्यकारी बोर्ड द्वारा 5 साल के लिए चुना जाता है।
- एसडीआर न तो मुद्रा है और न ही अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष पर दावा है। बल्कि, यह आईएमएफ सदस्यों की स्वतंत्र रूप से उपयोग करने योग्य मुद्राओं पर एक संभावित दावा है। एसडीआर के लिए इन मुद्राओं का आदान-प्रदान किया जा सकता है।

Q: IPCC के SYR के सारांश फॉर पॉलिसीमेकर्स (SPM) के प्रमुख संदेशों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. संयुक्त उष्ण लहरों और सूखे के अधिक बार होने का अनुमान है।
2. महासागरीय अम्लीकरण बढ़ने की संभावना है।

3. भूमि और महासागरों की CO2 अवशोषण क्षमता में वृद्धि होने की संभावना है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a
व्याख्या:

- अक्टूबर 2021 तक देशों ने राष्ट्रीय स्तर पर जो योगदान निर्धारित (एनडीसी) किए हैं उससे इस बात की पूरी आशंका है कि सदी में ही तापमान में होती वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर जाएगी। इतना ही नहीं अनुमान है कि हालात इतने बदतर हो जाएंगे कि ग्लोबल वार्मिंग को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रखना मुश्किल हो जाएगा। ग्लोबल वार्मिंग में होती
- इस वृद्धि के चलते जलवायु से जुड़ी आपदाएं कहीं ज्यादा व्यापक और स्पष्ट हो जाएगी। इसके साथ ही जमीन और समुद्र को कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने की क्षमता भी गिरती जाएगी। साथ ही समुद्र के अम्लीकरण में भी वृद्धि होने की आशंका है। नतीजन सूखे और लू की घटनाएं कहीं ज्यादा विकराल रूप ले लेंगी।
- एक बार टिपिंग पॉइंट्स तक पहुंचने के बाद जलवायु प्रणाली में कुछ ऐसे बदलाव होंगें जिनको पलटना लगभग नामुमकिन होगा। ग्रीनलैंड और वेस्ट अंटार्कटिक में जमा बर्फ की चादरों को होने वाला नुकसान ऐसे ही कुछ उदाहरण हैं। इतना ही नहीं अनुकूलन के जो विकल्प हैं वो भी व्यवहार्यता की सीमा तक पहुंच सकते हैं। इससे कहीं ज्यादा नुकसान और क्षति झेलनी पड़ सकती है।